भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2165

गुरूवार, 04 अगस्त, 2022 / 13 श्रावण, 1944 (शक)

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

2165. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, महामारी के बाद 51.6 प्रतिशत ग्रामीण प्रवासी शहरी क्षेत्रों से पलायन कर गए हैं;

(ख) क्या सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2020 में कुल 122 मिलियन ग्रामीण और शहरी नौकरियां समाप्त हो गई थीं; और

(ग) क्या लॉकडाउन से ठीक पहले की तिमाही में लगभग 182 मिलियन लोग या तो नौकरी की तलाश कर रहे थे या उनके पास नौकरी थी और लॉकडाउन अवधि के दौरान लगभग 7 मिलियन लोगों ने श्रम बल छोड़ दिया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क): राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा कराए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के भाग के रूप में परिवार के सदस्यों के प्रवास संबंधी विवरण के संबंध में जुलाई 2020-जून 2021 के दौरान सूचना एकत्र की गई थी। इस सर्वेक्षण के परिणामों से, शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवास करने वाले प्रवासियों का प्रतिशत मार्च 2020 के बाद प्रवास करने वाले सभी प्रवासियों का 53.7 प्रतिशत था।

(ख) और (ग): कई निजी कंपनियां/निकाय/अनुसंधान संगठन अपनी स्वयं की कार्यप्रणाली के आधार पर विभिन्न सर्वेक्षण कराते हैं, और सीएमआईई इनमें से एक है। रोजगार और बेरोजगारी संबंधी आधिकारिक डेटा का स्रोत, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) है जो वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा संचालित किया जाता है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर 15 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति पर वर्षवार अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), और बेरोजगारी दर (यूआर) निम्नानुसार है:

वर्ष	कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) (% में)	बेरोजगारी दर (यूआर) (% में)
2018-19	47.3	5.8
2019-20	50.9	4.8
2020-21	52.6	4.2

उपर्युक्त तालिका में दिया गया डेटा दर्शाता है कि पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान बेरोजगारी दर में कमी आई है जबकि कामगार जनसंख्या अनुपात में वृद्धि हुई है।

*****